आईसीएआर-सीफेट लुधियाना ने किन्नू से हेस्पेरिडिन निकालने की अभिनव तकनीक का लाइसेंस मेसर्स बीएनके फूड्स, उत्तराखंड को दिया

आईसीएआर-सीफेट, लुधियाना ने अपनी अभूतपूर्व तकनीक, "अपरिपक्व गिरे हुए किन्नू से हेस्पेरिडिन निकालने की प्रक्रिया" का लाइसेंस मेसर्स बीएनके फूड्स, उत्तराखंड को सफलतापूर्वक दिया है। लाइसेंसिंग समझौते पर आज आधिकारिक रूप से सीफेट के निदेशक डॉ. नचिकेत कोतवालवाले और मेसर्स बीएनके फूड्स के निदेशक श्री आकाश जोशी के बीच हस्ताक्षर किए गए। आईसीएआर-सीफेट में डॉ. मंजू बाला, डॉ. दीपिका गोस्वामी, डॉ. मृदुला डी., डॉ. आर.के. विश्वकर्मा और डॉ. नचिकेत कोतवालवाले द्वारा विकसित यह अभिनव प्रक्रिया अपरिपक्व गिरे हुए किन्नू से हेस्पेरिडिन निकालने की एक कुशल विधि प्रदान करती है, जो कई स्वास्थ्य लाभों वाला एक मूल्यवान बायोफ्लेवोनॉइड है। यह तकनीक न केवल किन्नू के कचरे का मूल्य बढ़ाती है, बल्कि न्यूट्रास्युटिकल और खाद्य उद्योगों में व्यवसायों के लिए एक स्थायी अवसर भी प्रस्तुत करती है। डॉ. नचिकेत कोतवालवाले ने लाइसेंसिंग समझौते को कृषि अनुसंधान को उद्योग के साथ जोड़ने में एक बड़ा कदम बताया, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मेसर्स बीएनके फूड्स उच्च गुणवत्ता वाले हेस्परिडिन का उत्पादन करने के लिए तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग करेगा, जिससे आर्थिक विकास और स्वास्थ्य लाभ को बढ़ावा मिलेगा। यह समझौता कृषि पद्धतियों को बदलने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए CIPHET की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस कार्यक्रम का संचालन ITMU की प्रभारी डॉ. रेणु बालकृष्णन ने किया। इस अवसर पर डॉ. आर.के. विश्वकर्मा, पीसी (PHET), डॉ. रणजीत सिंह, हेड टीओटी भी मौजूद थे।